भाकृअनुप–कृषि प्रौद्योगिकी अनुप्रयोग अनुसंधान संस्थान
जी.टी. रोड, रावतपुर, कानपुर – 208 002
(उत्तर प्रदेश)
An ISO 9001:2015 Certified

(O) : (0512) 2533560, 2554746
Fax : (0512) 2533560, 2554746
Website : http://atarik.res.in
E-mail : zpdicarkanpur@gmail.com

दि. 08–02–2021

राष्ट्रीय बागवानी मेला 2021 का उद्घाटन समारोह

दि. 08–02–2021 को भाकृअनुप–भारतीय बागवानी अनुसंधान संस्थान, बंगलुरू द्वारा आयोजित राष्ट्रीय बागवानी मेला 2021 का उद्घाटन आदरणीय श्री श्री रविशंकर जी द्वारा किया गया। इसकी जानकारी भाकृअनुप–अटारी कानपुर निदेशक डा. अतर सिंह ने दी।

राष्ट्रीय बागवानी मेला 2021 के उद्घाटन समारोह पर श्री श्री रविशंकर जी ने कहा कि हमारे वैज्ञानिक देश का गौरव हैं जो किसानों की आमदनी दोगुनी करने के उद्देश्य से निरन्तर परिश्रम करके नई–नई तकनीकें ला रहे हैं। कृषकों को कृषि का उत्पाद अधिक हो ऐसी तकनीकों को अपनाना है। पहले भारत में नैसर्गिक खेती होती थी परन्तु अब हम नैसर्गिक करना लगभग भूल ही गये हैं। नैसर्गिक खेती का हर देश में जोर है। ऋषि कृषि अर्थात् नैसर्गिक कृषि को बढ़ावा देना होगा। कुपोषण को दूर करने के लिये संस्थायें निरन्तर कार्य कर रही हैं। जीवनशैली में बदलाव से कुपोषण दूर होगा। चावल, गेहूँ, रोटी के साथ ही साथ पौष्टिक आहार पर भी ध्यान दें। कुपोषण से लड़ने में कटहल काफी लाभदायक सिद्ध हा रहा है। ये विदेशों में भी लोकप्रिय हो रहा है। हम अपने आहार में कटहल को और अधिक महत्व देना होगा। मेरा वैज्ञानिकों से अनुरोध है कि आयुष विभाग को साथ लेकर कार्य करें। हमारे देश में अनेक–प्रकार की जड़ी बूटिया होती हैं जिनकी जानकारी आयुर्वेद मे है। लोगों को इन जड़ी–बूटियों की अधिक जानकारी नहीं है। हाल ही में जर्मनी के वैज्ञानिकों ने एक शोध में पाया की अश्वगंधा का प्रयोग कोविड–19 को 85 प्रतिशत तक दूर कर सकता है। मल्टीक्रापिंग पद्धति जो पहले थी उसे फिर से लाना आवश्यक है। वृक्षों से किसानों का छांव तो मिलती ही है साथ ही वृक्ष सही मात्रा में लगे होने से बारिश भी सही से होती है। आज आप वैज्ञानिकों के माध्यमों से जो नवाचार हो रहे हैं वे 50 लाख किसानों तक पहुँचने चाहिए। गैर सरकारी संस्थाओं से भी मैं आवाह्न करता हूँ कि इसमें जुड़कर वैज्ञानिकों के श्रम को सफल बनायें। आज विदेशी भी चकित हो रहे हैं कि भारत में सितम्बर के बाद अक्टूबर में कोरोना का ग्राफ नीचे कैसे आ गया। भारत में अनेकों प्रकार की जड़ी बूटियाँ है। भारत में हवन होते हैं एवं एक हवन में 108 जड़ी बूटियों का प्रयोग होता है। नवरात्रि के अवसर पर हुए हवनो के माध्यम से भी कोरोना से लड़ने में मदद मिली। भारत में कोई भी मंगलकार्य हो तो हल्दी का प्रयोग भी होता है। हल्दी में भी अनेक औषधीय गुण होते हैं।

इस अवसर पर डा. त्रिलोचन महापात्रा, सचिव डेयर एवं महानिदेशक भाकृअनुप ने 'अर्का व्यापार' एप का लांच किया। इस एप के माध्यम से व्यापारी सीधे बिना किसी बिचौलिये के कृषक से

जुड़ सकते हैं। महानिदेशक महोदय ने कहा कि बागवानी फसलें सिर्फ देश के लिये ही नहीं बल्कि पूरे विश्व के लिये महत्वपूर्ण हैं। भारत विभिन्न बागवानी फसलों का विश्व में निर्यात करता है। आदरणीय प्रधानमंत्री महोदय का 2022 तक किसानों की आय दोगुनी करने का अवाह्न है। प्रधानमंत्री जी कहते आये हैं कि कृषि लाभकारी हो, टिकाऊ हो एवं पर्यावरण के अनुकूल हो। देश के कृषि वैज्ञानिक इसी के प्रयत्न में लगे हुए हैं। हमारा उद्देश्य है कि नई–नई तकनीकों की सूचना किसानों के पास सही समय पर पहुँचे इसीलिये इस प्रकार के मेलों का आयोजन किया जाता है। बागवानी फसलों की 200 से अधिक किस्में देश को दी गई हैं। हमारे देश में कुपोषण एक बड़ी समस्या है जिससे लड़ने के लिये बागवानी फसलों का बढ़ावा देना आवश्यक है। कुपोषण दूर करने के लिये वैज्ञानिक प्रयत्न में लगे हुए हैं। अनार की खेती को बढ़ावा दे रहे हैं। हम नई अनार में नई किस्म लाये हैं जिसमें आयरन की मात्रा दोगुनी की गई है। कृषि वैज्ञानिक सोशल मीडिया के माध्यम से भी किसानें को नवीन नवाचारों की और तकनीकों की जानकारी देते रहते हैं। बागवानी फसलों को किसान अधिक समय तक स्टोर करके भी नहीं रख सकते हैं। इनकी मार्केटिंग के लिये एप से लाभ मिलेगा। भाकृअनुप का उद्देश्य है कि कृषक उद्यमी बनें। युवाओं को उद्यमी बनाने के लिये आर्या परियोजना के माध्यम से प्रशिक्षण देकर कुशल बनाया जा रहा है।

डा. आनन्द कुमार सिंह, उपमहानिदेशक (बागवानी) भाकृअनुप–नई दिल्ली ने कहा कि बागवानी कृषि का एक महत्पपूर्ण अंग है। वर्ष में बागवानी फसलों के उत्पादन में वृद्धि हुई है। उच्च किस्म की आगवानी फसलों जैसे आम एवं अमरूद आदि का यूरोपीय देशों में निर्यात भी हुआ है। किसानों के मुनाफे में वृद्धि हो रही है। इस बागवानी मेले से किसानों का काफी लाभ मिलेगा।

भाकृअनुप–भारतीय बागवानी अनुसंधान संस्थान बंगलुरू के निदेशक डा. दिनेश ने कहा कि इस बार के राष्ट्रीय बागवानो मेले 2021 की थीम 'स्टार्टअप इण्डिया एवं स्टैण्डअप इण्डिया' है। हमार उद्देश्य उद्यमिता विकास करना है। इस वर्ष कई उन्नत प्रजातियों को उगाया गया। हमने मेले में फसल प्रदर्शनों को दिखाया है जिससे किसानों को जानकारी मिलेगी। संस्थान में उन्नत प्रयोगशाला हैं। संस्थान द्वारा बागवानी फसलों से बने विभिन्न उत्पादों जैसे जैम, कुकीज आदि का उत्पादन भी किया जा रहा है। हमारा 50 से अधिक विश्वविद्यालयों से समझौता भी है। संस्थान में कम लागत का हाई स्टोरेज टैंक भी उपलब्ध है। प्रतिवर्ष बागवानी मेले का आयोजन किया जाता है।

राष्ट्रीय बागवानी मेला 2021 के उद्घाटन अवसर पर आदरणीय श्री श्री रविशंकर जी, सचिव डेयर एवं महानिदेशक भाकृअनुप डा. त्रिलोचन महापात्रा, डा. आनन्द कुमार सिंह, उपमहानिदेशक (बागवानी), अन्य उपमहानिदेशक, सहायक महानिदेशक, विश्व विद्यालयों के कुलपतिगण, भाकृअनुप संस्थानों के निदेशक, वैज्ञानिक एवं देश भर के कृषि विज्ञान केन्द्र, वैज्ञानिक एवं किसान 30 लाख की संख्या में उद्घाटन समारोह में केन्द्रों से व वर्चुअल माध्यम से जुड़े।

ರಾಷ್ಟ್ರೀಯ ತೋಟಗಾರಿಕೆ ಮೇಳ-2021
राष्ट्रीय बागवानी मेला - 2021
NATIONAL HORTICULTURE FAIR - 2021
8-12 FEBRUARY
Arka
NHF2021

भाकृअनुप-कृषि प्रौद्योगिकी अनुप्रयोग अनुसंधान
संस्थान (अटारी), कानपुर
ICAR-Agricultural Technology Application
Research Institute (ATARI), Kanpur
ATARI
ISO 9001:2015